# या मन अर्जोहो ले कुल्ले ख़ैर يَا مَنْ أَرْجُوهُ لِكُلِّ خَيْرٍ

मोहम्मद बिन ज़िक्वान,आप इसलिए सज्जाद के नाम से मारुफ़ हैं की इन्होंने इतने सजदे किये और खौफे ख़ुदा में ईस क़दर रोये के नाबीना हो गए थे, सैय्यद इब्ने तावूस ने मोहम्मद बिन ज़िक्वान से रिवायत की है की इन्होंने कहा : मैंने ईमाम जाफ़र सादीक़ (अ:स) की ख़िदमत में अर्ज़ किया की मै आप पर क़ुर्बान हो जाऊं यह माहे रजब है, मुझे कोई दुआ तालीम कीजिये के हक्के तआला के ज़रिये मुझे फायेदा अता फ़रमाये! आप ने फ़रमाया की लिखो **"*बिस्मिल्लाहिर रहमानिर रहीम*"** और रजब के महीने में हर रोज़ सुबह व शाम की नमाज़ के बाद यह दुआ पढ़ो :

शुरू ख़ुदा के नाम से करता हूँ जो रहमान और रहीम है
अल्लाहुम्मा सल्ली अला मोहम्मदीन व आली मोहम्मद

या मन अर्जोहू ली'कुल्ली ख़ैर व-आमनु सख्तहू इन्दा कुल्ले शर्र या मन्यु'तिल कसीरा बिल'क़लील या मंयुती मन स-अलह या मंयुती मन लम यस'लहू व मल लम या'रिफ़हू तहन-नुनम मिन्हु व रहमा अ'तिनी बे'मिसलती इय्याक जमी'अ खैरिद-दुन्या व जमी'अ खैरिल-आखिरह व-असरिफ अन्नी बे-मिसालती इय्याक जमी'अ शर'रिद दुन्या व शर-रील आखिरह फ़-इन्नाहू गेरू मन'कूसिन मा अ-तैत व ज़िदनी मिन फ़ज्लिका य करीम

(रावी कहता है की इसके बाद ईमाम (अ:स) ने अपनी रेशे मुबारक क़ो दाहिनी मुठी में लिये और अपनी अंगुश्त शहादत क़ो हिलाते हुए निहायत गिरया व ज़ारी की हालत में यह दुआ पढ़ी :)

या ज़ुल्जलाल वल इकराम या जाननी'माई वल जूद या ज़ल मन्नी वत'तौल हर'रिम शैबती अलन'नार

بسم الله الرّحمن الرّحيم

يَا مَنْ اَرْجُوْهُ لِكُلِّ خَيْرٍ وَّ اٰمَنُ سَخْطَهٗ عِنْدَ كُلِّ شَرٍّ يَا مَنْ يُعْطِى الْكَثِيْرَ بِالْقَلِيْلِ يَا مَنْ يُعْطِىْ مَنْ سَئَلَهٗ يَا مَنْ يُعْطِىْ مَنْ لَّمْ يَسْئَلْهُ وَ مَنْ لَّمْ يَعْرِفْهُ تَحَنُّنًا مِنْهُ وَ رَحْمَةً اَعْطِنِىْ بِمَسْئَلَتِىْ اِيَّاكَ جَمِيْعَ خَيْرِ الدُّنْيَا وَ جَمِيْعَ خَيْرِ الْاٰخِرَةِ وَاصْرِفْ عَنِّىْ بِمَسْئَلَتِىْ اِيَّاكَ جَمِيْعَ شَرِّالدُّنْيَا وَ شَرِّ الْاٰخِرَةِ فَاِنَّهٗ غَيْرُ مَنْقُوْصٍ مَا اَعْطَيْتَ وَ زِدْنِىْ مِنْ فَضْلِكَ يَا كَرِيْمُ-

IslamInHindi.Org

रावी कहता है की ईस के बाद ईमाम (अ:स) ने अपनी रेशे मुबारक क़ो दाहिनी मुठी में लिया और अपनी अंगुश्त शहादत क़ो हिलाते हुए निहायत गिरया व ज़ारी की हालत में यह दुआ पढी

يَا ذَاالْجَلَالِ وَالْاِكْرَامِ يَا ذَاالنَّعْمَآءِ وَالْجُوْدِ يَا ذَالْمَنِّ وَالطَّوْلِ حَرِّمْ شَيْبَتِىْ عَلَى النَّارِ-

# अनुवाद

**शुरू ख़ुदा के नाम से करता हूँ जो रहमान और रहीम है**

ऐ वो जिस से हर भलाई की उम्मीद रखता हूँ और हर बुराई के वक़्त ईस के ग़ज़ब से अमान चाहता हूँ ऐ वो जो थोड़े अमल पर ज़्यादा अजर देता है ऐ वो जो हर सवाल करने वाले क़ो देता है ऐ वो जो इसे भी देता है जो सवाल नहीं करता और इसे भी देता है जो इसे नहीं पहचानता, एहसान और रहमत के तौर पर तू मुझे भी मेरे सवाल पर दुन्या व आख़ेरत की तमाम भलाईयां और नेकियाँ अता फ़रमा दे और मेरी तलाब्गारी पर दुन्या व आख़ेरत की तमाम तकलीफें और मुश्किलें दूर करके मुझे महफ़ूज़ फ़रमा दे क्योंकि तू जितना अता करे तेरे यहाँ कमी नहीं पड़ती, ऐ करीम तू मुझ पर अपने फज़ल में इज़ाफा फ़रमा!

**(रावी कहता है की इसके बाद ईमाम (अ:स) ने अपनी रेशे मुबारक क़ो दाहिनी मुठी में लिये और अपनी अंगुश्त शहादत क़ो हिलाते हुए निहायत गिरया व ज़ारी की हालत में यह दुआ पढ़ी :)**

ऐ साहिबे जलालत व बुज़ुर्गी वाले, ऐ नेमतों और बख्शीश के मालिक, ऐ साहिबे एहसान व अता, मेरे सफ़ेद बालों क़ो आग पर हराम फ़रमा दे

## ईस दुआ क़ो पढ़ने के वक़्त की जाने वाली आम गलतीयाँ

यह दुआ **"خير لكل ارجوه من يا"** (या मन अर्जोहू ली कुल्ली ख़ैर) आमतौर पर रजब माह के दौरान हर नमाज़ के बाद पढ़ी जाती है! कई लोगों ने अनजाने में ईस दुआ के साथ लगी हुई परम्परा का व्याख्यान ग़लत समझा है, जो ईस प्रकार है!

- सही परम्परा अनुसार आप अपनी दाढ़ी क़ो बाएं हाथ से पकड़ें, और अपनी तर्जनी उंगली (इंडेक्स फिंगर जिस से ज़्यारत पढ़ते है) क़ो ही हिलाएं, यहाँ अपना हाथ,बाज़ू या कलाई नही हिलाना है, हाथ या बाज़ू उठाना परम्परा में नही बताया गया है, बल्कि आप अपनी कलाई और हाथ क़ो स्थिर रखें और अपनी तर्जनी ऊँगली क़ो आगे पीछे हिलाएं!
- कथन वास्तव में यह कहते हैं की ईमाम (अ:स) ने अपनी दाढ़ी पकड़ी और अपनी ऊँगली क़ो पूरी दुआ में घुमाते रहे, न की सिर्फ़ वहाँ जहां (या ज़ुल जलाल वल इकराम) يَا ذَا الْجَلَالِ وَالإِكْرَام، से शुरू किया जाता है! इसक़ो पूरी परंपरा का ध्यान से परीक्षण करके साबित किया जा सकता है!
- महिलाओं के साथ ईस संस्कार में छूट दी गई है, वो ईस दुआ क़ो सामान्य दुआओं जैसा पढ़ सकती हैं जैसा की हर दुआ में हाथ आसमान की तरफ़ उठा कर (अल्लाह से मांगने के वक़्त) पढ़ा जाता है!

इसको http://zidnee.blogspot.com/2005/08/welcoming-month-of-rajab.html से लेकर अनुवाद किया गया!